सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

-चाणक्य

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

हैलो सरकार

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉग ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
फोन: 0141-2202717
मो: 9214203182
वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-283 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, मंगलवार 17 जून, 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्य: 2.50

भारत में 2027 में दो चरणों में होगी जनगणना, केंद्र ने जारी किया नोटिफिकेशन

नईदिल्ली। भारत सरकार ने सोमवार, 17 जून 2025 को एक महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी करते हुए घोषणा की है कि देश की अगली जनगणना साल 2027 में कराई जाएगी। यह जनगणना 2011 के बाद पहली जनगणना होगी। इसमें 1931 के बाद पहली बार जातिगत गणना भी शामिल की जाएगी। गृह मंत्रालय के अधीन रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण की ओर से यह अधिसूचना जारी की गई।

दो चरणों में होगी जनगणना

अधिसूचना में बताया गया है कि जनगणना की संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 होगी, जबकि लद्दाख और हिमालयी राज्यों के बर्फीले और दुर्गम क्षेत्रों (जैसे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड) के लिए 1 अक्टूबर 2026 की मध्यरात्रि को संदर्भ तिथि माना जाएगा।

कोविड-19 की वजह से टाली गई थी जनगणना

गौरतलब है कि कोविड-19 महामारी के कारण 2021 में होने वाली जनगणना स्थगित कर दी गई थी। अब छह साल की देरी से यह मह द्×द्धह्लद्बह्वद्ग 2027 में आयोजित

की जाएगी, जो कि स्वतंत्र भारत की आठवीं और कुल सोलहवीं जनगणना होगी।

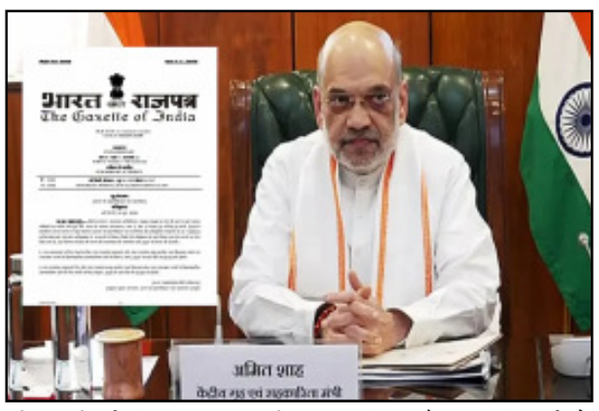

जानें क्या होगा जनगणना प्रोसेस

पहला चरण- हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन (HLO)

इस चरण में हर घर की भौतिक स्थिति, संपत्ति, सुविधाओं और बुनियादी ढांचे की जानकारी एकत्र की जाएगी।

दूसरा चरण- जनसंख्या गणना (Population Enumeration – PE)

इसमें प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक और अन्य विवरणों के साथ-साथ जाति संबंधी जानकारी भी एकत्र की जाएगी।

34 लाख गणनाकार और 1.3 लाख प्रशासनिक अधिकारी होंगे नियुक्त

जनगणना के इस महाअभियान में करीब 34 लाख गणनाकार और पर्यवेक्षक तथा 1.3 लाख प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। खास बात यह है कि इस बार जनगणना डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जाएगी। इसके लिए मोबाइल एप्लिकेशन और सेल्फ-एन्यूमरेशन (स्वयं जनगणना) की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

अमित शाह ने की तैयारियों की समीक्षा

गृह मंत्री अमित शाह ने जनगणना की तैयारियों की समीक्षा करते हुए डेटा सुरक्षा पर विशेष जोर देने की बात कही है। डेटा संग्रहण, ट्रांसमिशन और भंडारण के दौरान कड़े सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएंगे, ताकि किसी भी प्रकार की जानकारी का दुरुपयोग न हो।

लंबे समय से हो रही थी जातिगत गणना की मांग

जातिगत गणना को लेकर लंबे समय से सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर मांग की जा रही थी। 2027 की जनगणना के माध्यम से पहली बार देश को आधिकारिक जातिगत आंकड़े उपलब्ध होंगे, जिससे विभिन्न वर्गों के लिए नीतियां और योजनाएं बेहतर ढंग से बनाई जा सकेंगी।

प्रवासी भाई-बहनों के सहयोग से प्रदेश बनेगा अग्रणी-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थानियों ने अपने सामर्थ्य की बदौलत विश्वभर में प्रदेश का मान बढ़ाया है। उन्होंने अपनी कर्मभूमि पर काम करते हुए मातृभूमि पर सामाजिक सरोकारों के कार्यों में पूर्ण रूप से समर्पित होकर कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के योगदान के सम्मान में राज्य सरकार आगामी 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन का आयोजन करने जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को आयोजन को सफल बनाने के लिए समयबद्ध रूप से कार्य करने के लिए निर्देशित किया। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन-2025 की कार्ययोजना के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों की सहूलियत और उनके मुद्दों के लिए हमने कई कदम उठाए हैं। राज्य सरकार उनके लिए एक नए विभाग का गठन करने जा रही है। साथ ही, सभी जिलों में अतिरिक्त जिला कलक्टर को प्रवासी राजस्थानियों से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए नोडल अधिकारी बनाने के संबंध में आदेश एवं गाइडलाइन भी जारी हो चुकी है। इस सिंगल प्वाइंट कॉन्टैक्ट के माध्यम से प्रवासी भाई-बहनों के विषयों पर त्वरित कार्यवाही होगी।

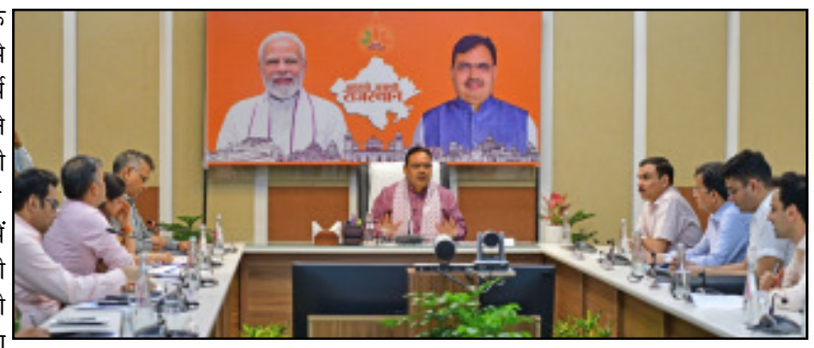

शर्मा ने अधिकारियों को इस संबंध में कार्य प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले प्रवासी राजस्थानियों का होगा सम्मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर में आयोजित होने वाले इस एक दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश से बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी शामिल होंगे। सम्मेलन में कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत सहयोग प्रदान कर रहे प्रवासी राजस्थानियों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही सामाजिक, आर्थिक एवं औद्योगिक आदि क्षेत्रों में योगदान एवं उपलब्धि अर्जित करने वाले प्रवासी राजस्थानियों को सम्मेलन में सम्मानित भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा की पहल पर हर वर्ष 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी दिवस मनाने की शुरूआत की गई है।

राजस्थान फाउंडेशन करे नई कार्यकारिणी का गठन, जोड़ें सक्रिय सदस्य

शर्मा ने कहा कि आपणो अग्रणी राजस्थान के लक्ष्य की प्राप्ति के क्रम में प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए प्रवासी राजस्थानियों का सहयोग लिया जाए। अधिकारी प्रवासी राजस्थानियों से नियमित संपर्क करें और उन्हें प्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन के 14 नए चैप्टर्स के मनोनीत अध्यक्ष नई कार्यकारिणी के गठन की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ कर सक्रिय लोगों को जोड़ें। फाउंडेशन अपने विभिन्न चैप्टर्स की बैठक आयोजित कर निरंतर संवाद भी करें।

बैठक में संबंधित विभागों के उच्च अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कांग्रेस का 'संगठन सृजन अभियान-कब होगा शुरू? बदलेंगे 40% जिला अध्यक्ष, प्रभारी ने दी ये रिपोर्ट

जयपुर। कांग्रेस पार्टी ने अपने संगठन को मजबूत करने के लिए देशभर में 'संगठन सृजन अभियान' शुरू किया है। इस अभियान के तहत पार्टी जिला स्तर पर बड़े बदलाव करने की योजना बना रही है, जिसमें नए जिला अध्यक्षों का चयन और संगठनात्मक ढांचे को और सशक्त करना शामिल है।

संगठन सृजन अभियान का समय

सूत्रों के मुताबिक, राजस्थान में 'संगठन सृजन अभियान' की शुरुआत हरियाणा और मध्य प्रदेश में प्रक्रिया पूरी होने के बाद होगी। संभावना है कि पंजाब में अभियान के समापन के बाद राजस्थान का नंबर आएगा। हालांकि, अभी इसकी तारीख तय नहीं की गई है, लेकिन माना जा रहा है कि यह प्रक्रिया जल्द शुरू हो सकती है।

इस अभियान के तहत राजस्थान में संगठन को और मजबूत करने के लिए जिला स्तर पर कई बदलाव किए जाएंगे, जिसमें नए जिला अध्यक्षों की नियुक्ति और आठ नए जिलों में जिला अध्यक्षों का चयन प्रमुख है।

जिला अध्यक्ष चयन की प्रक्रिया

कांग्रेस ने जिला अध्यक्षों के चयन के लिए एक व्यवस्थित प्रक्रिया तय की है। इसके तहत-

नामों का पैनल- प्रत्येक जिले में ऑब्जर्वर नियुक्त किए जाएंगे, जिन्हें जिला अध्यक्ष के लिए कम से कम छह नामों का पैनल केंद्रीय

नेतृत्व को सौंपना होगा।

जातिगत समीकरण का ध्यान- नामों का चयन करते समय जिले के जातिगत समीकरण, विधानसभा सीटों की सामाजिक संरचना और पार्टी की मजबूती को ध्यान में रखा जाएगा। सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन- अगर किसी जिले में किसी एक जाति का उम्मीदवार विधानसभा या लोकसभा चुनाव में प्रबल है, तो दूसरे नंबर की प्रभावशाली जाति के व्यक्ति को जिला अध्यक्ष बनाने पर विचार किया जाएगा।

टिकट बंटवारे में भूमिका- नए जिला अध्यक्षों को विधानसभा और लोकसभा चुनावों में टिकट बंटवारे की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठकों में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जहां वे अपने सुझाव दे सकेंगे। यह कदम जिला अध्यक्षों को और अधिक शक्तिशाली बनाएगा।

प्रभारी और सह-प्रभारी के सुझाव

सूत्रों के मुताबिक राजस्थान में कांग्रेस के प्रभारी और सह-प्रभारी ने केंद्रीय आलाकमान को सुझाव दिया है कि राजस्थान में संगठन पहले से ही अन्य राज्यों की तुलना में मजबूत स्थिति में है। इसलिए, बड़े पैमाने पर बदलाव की जरूरत नहीं है। उनके सुझाव के अनुसार-

40% जिला अध्यक्षों में बदलाव- सूत्रों के मुताबिक, राजस्थान में केवल 40त्न जिलों में जिला अध्यक्ष बदले जाएंगे। शेष जिलों में मौजूदा नेतृत्व को बनाए रखने की सिफारिश की गई है।

नए जिलों में नियुक्तियां- राजस्थान में हाल ही में बने आठ नए जिलों में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की प्रक्रिया तेज की जाएगी। इसके लिए ऑब्जर्वर अपनी तैयारियां शुरू करेंगे।

संगठन की मजबूती पर जोर- प्रभारी और सह-प्रभारी का मानना है कि राजस्थान में संगठन पहले से ही सक्रिय और प्रभावी है, इसलिए व्यापक बदलाव के बजाय लक्षित सुधारों पर ध्यान देना चाहिए।

अन्य राज्यों से तुलना

बताते चलें कि मध्य प्रदेश और हरियाणा जैसे राज्यों में संगठन सृजन अभियान के तहत बड़े पैमाने पर जिला अध्यक्ष बदले जा रहे हैं। इन राज्यों में संगठन को और अधिक मजबूत करने के लिए व्यापक बदलाव किए जा रहे हैं। वहीं, राजस्थान में संगठन की स्थिति को अपेक्षाकृत बेहतर माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, गुजरात में इस अभियान की शुरुआत 15 अप्रैल से हो चुकी है और इसके बाद राजस्थान में प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है।

संगठन सृजन अभियान का महत्व

संगठन सृजन अभियान का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत करना है। इसके तहत न केवल जिला अध्यक्षों की नियुक्ति होगी, बल्कि ब्लॉक, मंडल और बूथ स्तर पर भी रिक्त पदों को भरा जाएगा। राजस्थान में अगले दो महीनों में, यानी 30 जून तक, सभी रिक्त पदों को भरने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें महिला कांग्रेस, प्रकोष्ठ, विभाग और बूथ एजेंटों की नियुक्तियां शामिल हैं।

गौरतलब है कि कांग्रेस का यह अभियान आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखकर शुरू किया गया है। नए जिला अध्यक्षों को टिकट बंटवारे में महत्वपूर्ण भूमिका दी जाएगी, जिससे स्थानीय नेतृत्व को और अधिक सशक्त किया जा सके। साथ ही, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए बूथ एजेंटों और कार्यकर्ताओं की नियुक्ति पर भी जोर दिया जा रहा है।

महिला को उछाल कर सड़क पर पटका

जयपुर। बेखौफ मौत बनकर घूम रहे चेन-पर्स स्नैचरों ने जयपुर में एक महिला को मौत के मुहाने पर पहुंचा दिया। श्याम नगर थाना अंतर्गत बाइक सवार एक पर्स स्नैचर ने झपट्टा मार महिला के हाथ से पर्स लूट लिया। वारदात में महिला झटका लगने पर उछलकर सडक़ पर दूर जा गिरी और सिर व शरीर पर चोट लगने से गंभीर घायल हो गई। महिला मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के पास एक निजी हॉस्पिटल में मौत से जिंदगी के लिए जूझ रही है।

घर से 150 मीटर दूरी पर घटना

वारदात श्याम नगर थाना क्षेत्र स्थित शांति नगर में हुई। यहां रात करीब 8 बजे स्थानीय निवासी वंदना दवे (50) घर से कुछ दूर पतासी खाकर पैदल घर लौट रही थी। घर से करीब डेढ़ सौ मीटर दूर पहुंची, तभी पीछे से बाइक पर एक स्नैचर (लुटेरा) आया। वंदना के नजदीक पहुंचते ही लुटेरे ने हाथ से पर्स छीन लिया। वारदात में वंदना सडक़ पर गिरकर गंभीर घायल हो गई। स्थानीय लोगों ने वंदना को संभाला और हॉस्पिटल पहुंचाकर भर्ती करवाया। दिल दहलाने वाली वारदात नजदीक लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई।

सूचना के बावजूद देर से पहुंची पुलिस

स्थानीय पार्षद राजू अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने एक अन्य युवक की मदद से महिला को

अस्पताल पहुंचाया। रात 8 बजे ही पुलिस को सूचना दी गई थी, लेकिन पुलिस मौके पर काफी देर से पहुंची। इस दौरान लुटेरे फरार हो चुके थे। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और लुटेरे की तलाश में जुटी है।

यहां युवकों से मोबाइल लूटा

सांगानेर सदर थाना क्षेत्र में बाइक सवार लुटेरे सीतापुरा निवासी श्रीमन मीना से सीतापुरा क्षेत्र से ही मोबाइल लूट ले गए। इसी थाना क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद निवासी मो. फैज का सीतापुरा में मोबाइल लूट ले गए। दोनों वारदात में पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर लुटेरों को तलाश रही है।

5 की उम्र में 32 साल के युवक से प्यार

पति ने प्रेमी से मिलने पर टोका तो मारकर सड़क पर पटका

झुंझुनूं। शादी के करीब चालीस साल से अधिक समय बीतने के बाद महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या करवा दी। मामले का खुलासा तब हुआ, जब हत्या के आरोप में गिरफ्तार प्रेमी कृष्ण कुमार से पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की। पुलिस ने सोमवार देर शाम मृतक की पत्नी पूनम को भी गिरफ्तार कर लिया।

संदिग्ध हालत में मिला था शव

पुलिस ने बताया कि 10 जून की सुबह पचेरीकलां-बुहाना मार्ग पर ढाणी दौचाना हाल निवासी अनूप सिंह का शव संदिग्ध हालत में मिला था। मृतक की बेटी मोनिका ने वाहन की टक्कर से मौत होने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। लेकिन मृतक अनूप सिंह के गले पर चोट के निशान थे। इससे मामला संदिग्ध हो गया।

हत्या का दुर्घटना बनाना चाहते थे

जांच में सामने आया कि 55 वर्षीय पूनम का अपने से काफी छोटे 32 वर्षीय कृष्ण कुमार से प्रेम संबंध था। इस पर पुलिस ने कृष्ण कुमार को गिरफ्तार किया गया। आरोपी कृष्ण कुमार ने पुलिस को बताया कि वह मृतक के घर पानी का टैंकर सप्लाई करता था। इस दौरान उसके पूनम से संबंध बन गए। अनूप सिंह को जब इसकी भनक लगी, तो वह पत्नी से मारपीट करने लगा। इस पर पूनम और कृष्ण कुमार ने मिलकर अनूप को रास्ते से हटाने की साजिश रची। हत्या के बाद शव को सड़क पर इस तरह फेंका गया, जिससे यह दुर्घटना लगे।

ऐसे हुआ शक

अनूप सिंह की मौत के बाद शव को मोर्चरी लाया गया। मेडीकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को दिया गया। पुलिस ने मृतक के परिजनों से रिपोर्ट देने के लिए कहा तो उन्होंने मना कर दिया। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद भी परिजन ने रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई। शाम को पुलिस की समझाइश के बाद मृतक की बेटी को रिपोर्ट देने के लिए राजी किया गया। इसी से पुलिस का शक गहरा गया। मोबाइल कॉल डिटेल एवं हत्या के आरोप में गिरफ्तार कृष्ण कुमार से पूछताछ के बाद मामले का खुलासा हो गया।

हो सकती हैं और गिरफ्तारियां

फिलहाल पुलिस ने पूनम और कृष्ण कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। लेकिन जांच में अन्य लोगों की भूमिका सामने आने की संभावना है। दोनों से कड़ी पूछताछ की जा रही है। मंगलवार को महिला को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

जयपुर ग्रेटर में अतिक्रमण पर निगम की सख्ती

जयपुर। नगर निगम जयपुर ग्रेटर की सतर्कता शाखा ने आयुक्त रुकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार सोमवार को अस्थायी अतिक्रमणों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम ने मालपुरा गेट से रेलवे स्टेशन तक, एसएमएस अस्पताल के गेट नंबर 1 व 2 के पास, जेडीए चौराहे से शांतिपथ तक, बी ब्लॉक

मुरलीपुरा स्कीम व रोड नंबर 6, 7 और वार्ड नंबर 5 में अभियान चलाया। इस दौरान 4 कैंटर भरकर अतिक्रमण का सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा ने बताया कि यह कार्रवाई नगर निगम ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में की गई। टीम ने मौके पर अतिक्रमणकारियों को मौखिक रूप से पाबंद किया और समझाया कि वे भविष्य में स्वयं ही अपने अस्थायी अतिक्रमण हटा लें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अतिक्रमण नहीं हटाए गए तो नगर निगम जयपुर ग्रेटर अवैध अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ भारी चालान या अन्य प्रभावी कानूनी कार्यवाही करेगा। जब्त किए गए सामान को निगम के गोदाम में भिजवा दिया गया है। नगर निगम ग्रेटर की यह कार्रवाई शहर में अतिक्रमण की समस्या से निपटने और सार्वजनिक स्थानों को सुव्यवस्थित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए HOP-ON HOP-OFF BUS SERVICES उपयोग करने के निर्देश

जयपुर। प्रदेश के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राजस्थान में पर्यटकों की यात्रा सुगम बनाए जाने के लिए Hop-on Hop-off Bus Services का राज्य में सभी जिलों के पर्यटन स्थलों के लिए उपयोग करने के निर्देश दिए है। साथ ही पर्यटन विभाग को इसे सुगम बनाने के लिए ऑनलाईन सॉफ्टवेयर / एप का बनाने को भी कहा है। 11 जून को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई सीओएस की बैठक में यह दिशा-निर्देश दिए गए है।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने राज्य में पर्यटन को वैश्विक स्तर पर बढावा दिये जाने के लिए वैश्विक स्तरीय नये पर्यटन स्थलों का विकास किये जाने या प्रचलित विद्यमान पर्यटन स्थलों को चिन्हित कर वैश्विक स्तरीय नवीकरण किये जाने की रूपरेखा तैयार करने के भी निर्देश दिए है।

बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि "Wed in India" को राज्य में बढावा दिये जाने के लिए प्रमोशनल फिल्में बनाई जावें। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय / ख्याति प्राप्त Celebrities की राज्य के पर्यटन स्थलों में सम्पन्न हुई डेस्टिनेशन वेडिंग्स का प्रमोशनल Literature में उपयोग किया जावे। वहीं इस बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य में आर्थिक संवृद्धि व निवेश को बढ़ाने के लिए व्यावसायिक प्रक्रियाओं का सरलीकरण एवं अनुपालन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करते हुए उद्यमशीलता व नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रमाणन (Certification) को सरल बनाने व अनुपालन बोझ को कम करने हेतु भारत सरकार के %विनियानक अनुपालन मॉड्यूल (MIS Portal) पर समस्त संबंधित विभागों द्वारा रिपोर्ट अपलोड की जावे।

मुख्य सचिव ने भारत सरकार द्वारा संचालित पीएम गति शक्ति योजना का समस्त विभागों द्वारा अधिकतम उपयोग करने के भी निर्देश दिए है। इसके उपयोग को सरल एवं सुगम बनाने के लिए उद्योग विभाग द्वारा विभागवार विशिष्ट मार्गदर्शन दिया जावे साथ ही विभागों द्वारा इसके उपयोग की समीक्षा हेतु चार्ट तैयार किये जावे। उद्योग विभाग द्वारा सभी विभागों के लिए पीएम गति शक्ति योजना पर आमुखीकरण के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया जावे। राज्य में पीएम गति शक्ति के सफल क्रियान्वयन के प्रकरणों का संकलन किया जावे।

एक दूसरे के खून के प्यासे हो रहे ईरान और इजराइल कभी गहरे दोस्त भी थे

नीरज कुमार दुबे

ईरान ने इजराइल को उसकी स्थापना के बाद सार्वजनिक रूप से तत्काल मान्यता नहीं दी थी, लेकिन 1950 में इजराइल को ह्डि-फैक्टोह्व मान्यता दे दी गई थी। इसका मतलब था कि दोनों देशों ने औपचारिक रूप से दूतावास नहीं खोले, लेकिन व्यावसायिक और कूटनीतिक संबंध धीरे-धीरे स्थापित होते रहे।

ईरान और इजराइल एक दूसरे के खून के प्यासे बने हुए हैं। दोनों के बीच इस समय जो वार-पलटवार चल रहा है उसको देखते हुए ऐसा लगता है कि दुनिया में एक-दूसरे के यही सबसे बड़े दुश्मन देश हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दशकों से एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोले हुए ईरान और इजराइल कभी गहरे मित्र भी थे? वैसे ईरान और इजराइल की मित्रता की बात भले कोरी कल्पना लगे लेकिन इतिहास इस दोस्ती का गवाह है। हम आपको बता दें कि 1948 में जब इजराइल की स्थापना हुई थी तब बहुत से मुस्लिम बहुल देशों ने उसे मान्यता देने से इंकार कर दिया था। लेकिन उस दौर में ईरान एक अपवाद था। यह बात आज के ईरान-इजराइल संबंधों को देखते हुए चौंकाने वाली लग सकती है, लेकिन 1948 से 1970 के बीच ईरान और इजराइल के बीच गहरे परन्तु छुपे हुए मैत्री संबंध थे, जो कूटनीति, सैन्य सहयोग और व्यापार पर आधारित थे।

वैसे ईरान ने इजराइल को उसकी स्थापना के बाद सार्वजनिक रूप से तत्काल मान्यता नहीं दी थी, लेकिन 1950 में इजराइल को ह्डि-फैक्टोह्व मान्यता दे दी गई थी। इसका मतलब था कि दोनों देशों ने औपचारिक रूप से दूतावास नहीं खोले, लेकिन व्यावसायिक और कूटनीतिक संबंध धीरे-धीरे स्थापित होते रहे। इस मैत्री के पीछे कारण था साम्य हित। दरअसल दोनों की स्थिति उस समय अरब राष्ट्रों से घिरे हुए देशों की थी। यह दोनों अरब देशों के दुश्मन थे इसीलिए इनके बीच एक रणनीतिक साझेदारी की जरूरत महसूस हुई।

हम आपको यह भी बता दें कि इजराइल और उस समय के ईरान के शाह (मोहम्मद रजा पहलवी), दोनों ही अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों के करीबी माने जाते थे। यह एक और कारण था जो दोनों देशों को एक-दूसरे के करीब लाया। इसके अलावा, इजराइल को तेल की जरूरत थी, जोकि ईरान के पास भरपूर मात्रा में था। इस साझेदारी के जरिए

इजराइल को गुप्त रूप से तेल की आपूर्ति होती रही। इसके बदले में इजराइल ने ईरान को कृषि, जल प्रबंधन और तकनीकी मदद दी। 1950-70 के दशक में ईरान में शाह मोहम्मद रजा पहलवी की सरकार के दौरान इजराइल ने तेल के बदले ईरान को हथियार भी दिए थे।

इसके अलावा, इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद और ईरान की सवाक (SAVAK) के बीच भी घनिष्ठ सहयोग था। मोसाद ने सवाक को खुफिया ट्रेनिंग दी और तकनीकी उपकरण भी उपलब्ध कराए। यह सहयोग विशेष रूप से 1960 के दशक में मजबूत हुआ। साथ ही ₹ळ१ॅिल्ल३₹ परियोजना एक गुप्त योजना थी जिसमें इजराइल और ईरान ने मिलकर मिसाइल टेक्नोलॉजी और सैन्य शोध पर काम किया। साथ ही इजराइली विशेषज्ञों ने ईरान में कृषि सुधार, सिंचाई प्रणाली और जल प्रबंधन से जुड़ी परियोजनाओं में भी अहम भूमिका निभाई।

हम आपको बता दें कि 1970 के दशक में यह संबंध अपने चरम पर था, लेकिन ईरान में इस्लामी आंदोलन के जोर पकड़ने के साथ इसमें दरार आने लगी। शाह के शासन के खिलाफ जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा था और 1979 की इस्लामी क्रांति इस मैत्री का अंत लेकर आई। शाह मोहम्मद रजा पहलवी को सत्ता से हटाकर आयतुल्ला खामेनेई के नेतृत्व में ईरान में एक धार्मिक सरकार बनते ही इजराइल को दुश्मन घोषित कर दिया गया। इसके साथ ही इजराइल के दूतावास को बंद करके उसे फिलिस्तीनी संगठन PLO को दे दिया गया। इजराइल को इस्लाम का भी दुश्मन घोषित करने के बाद ईरान ने हिजबुल्ला और हमास को मदद देनी शुरू की जोकि आज तक जारी है।

वैसे इस तरह की भी रिपोर्टें समय-समय पर आती रहीं कि ईरान और इजराइल के बीच दुश्मनी के दौर में भी गुप्त रूप से कारोबार चलता रहा। बताया जाता है कि 1980 में जब ईरान और इराक के बीच जंग हुई, तो इजराइल को महसूस हुआ कि इराक ज्यादा खतरनाक है। इसलिए अमेरिका और इजराइल ने गुपचुप तरीके से ईरान को लड़ने के लिए हथियार भेजे थे। लेकिन जब 1990 के दशक में ईरान ने अपना परमाणु कार्यक्रम शुरू किया तो इजराइल ने उसे सबक सिखाने की ठान ली और अब जब तेहरान परमाणु बमों के निर्माण से चंद कदम ही दूर रह गया था तो इजराइल ने बड़ा हमला करते हुए आयतुल्ला खामेनेई के सपनों को तोड़ डाला। इजराइल ने सीधा हमला करने से पहले ईरान के हमास और हिज्बुल्ला जैसे सहयोगियों की कमर तोड़ी और पिछले कुछ महीनों में कई अभियानों के माध्यम से अपनी मारक क्षमता को भी परखा, उसके बाद यह बड़ी कार्रवाई की गयी।

बहरहाल, देखा जाये तो 1948 से 1970 तक का ईरान-इजराइल संबंध एक ऐसा अध्याय है जो आज के उथल-पुथल भरे पश्चिम एशिया की राजनीति में लगभग भुला दिया गया है। इस काल में दोनों देशों के बीच गहरे रणनीतिक और आर्थिक संबंध थे, जो आज की स्थिति को देखते हुए विरोधाभासी प्रतीत होते हैं। वैसे ईरान और इजराइल का यह गुप्त मैत्री संबंध इस बात का प्रमाण है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी दोस्त और दुश्मन नहीं होते, केवल हित और परिस्थितियाँ ही दोस्त या दुश्मन बनाती हैं।

संपादकीय

युद्ध की लपटें

इजरायल के ईरान पर भीषण हमले और ईरान के जवाबी हमले से दुनिया की सांसें अटकी हैं। हालांकि लड़ाई फिलहाल दो देशों तक सीमित दिख रही है लेकिन बड़ा सवाल है कि इजरायल के हौसले कहां तक बढ़ेंगे। उसने गाजा को मटियामेट कर दिया है। लेबनान और यमन पर जब देखो तब हमले करता रहता है। हिज्बुल्लाह और हूतियों के खिलाफ मोर्चे पहले ही खुले हुए हैं। अब वह ईरान के पीछे पड़ गया है। बहाना ईरान को परमाणु शक्ति बनने से रोकने का है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य संस्थाएं दोनों देशों से संयम बरतने की अपील मात्र कर पा रही हैं। इजरायल को अमेरिका का खुल्लमखुल्ला साथ मिला हुआ है। उसके हमलावर तेवरों और अकड़ से यह बात साफ झलकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप एक तरफ तो ईरान के साथ परमाणु वार्ता कर रहे हैं तो दूसरी तरफ उनका उद्देश्य सिर्फ ईरान को दबाना है। ईरान पहले ही कह चुका है कि वह परमाणु हथियार बनाने की बजाय शांतिपूर्ण उपयोग तक सीमित रहने की संधि करने को तैयार है। इसके बावजूद इजरायल ने भीषण हमले कर ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों को भारी क्षति पहुंचाई और कई परमाणु वैज्ञानिकों और जनरलों को मार डाला। उसे उम्मीद नहीं थी कि ईरान जवाबी हमले भी कर सकता है लेकिन क्षति के बावजूद ईरान ने जवाबी हमले कर इजरायल को दहला दिया है। अगर दोनों देशों में लड़ाई और फैलती है तो क्या होगा? परिस्थितियां भयावह हालात की ओर संकेत कर रही हैं। इजरायल को कौन रोकेगा जब ट्रंप उसका साथ देते हुए ईरान को ही सलाहियतें दे रहे हैं। फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों का रुख गोलमोल है। ले दे कर ईरान के पक्ष में रूस और चीन के ही आने की उम्मीद बन सकती है, लेकिन रूस पहले ही यूक्रेन के साथ तीन साल से युद्ध में उलझा हुआ है, और फिलहाल उसके इससे बाहर निकलने की सूरत दूर-दूर तक नहीं दिखती। बचा चीन तो वह सबसे पहले अपने व्यापारिक हितों को देखेगा। ट्रंप की चालबाजियों से आजिज ईरान पूरे पश्चिम एशिया में अमेरिकी ठिकानों पर हमला बोल सकता है जैसे कि इराक में स्पेशल फोर्सेज, खाड़ी में सैन्य अड्डे और क्षेत्र में मौजूद राजनयिक मिशनों को भी निशाना बनाया जा सकता है। हमास और हिज्बुल्लाह जैसे ईरान के प्रॉक्सी बलों की ताकत बहुत कुछ कम हो चुकी है, लेकिन वे चुके नहीं हैं। अमेरिका अगर युद्ध में कूदा तो रूस और चीन को रोकना मुश्किल हो जाएगा। ऐसे हालात में क्या होगा कोई नहीं जानता।

चिंतन-मनन

बल और बुद्धि में संतुलन जरूरी

एक बार बल और बुद्धि में विवाद हो गया। बल ने कहा,मैं बड़ा हूं। मेरे बिना कुछ भी नहीं होता। बुद्धि ने कहा,तुम किसी काम के नहीं हो। मैं बड़ी हूं। मेरे बिना तुम्हारी उपयोगिता ही क्या है? दोनों इस विषय पर उलझ गए। विवाद का निपटारा करने के लिए वे विवेक के पास पहुंचे। दोनों ने अपनी-अपनी श्रेष्ठता बताते हुए न्याय करने की प्रार्थना की। विवेक ने कहा,मेरे साथ चलो। मैं न्याय करूंगा। उसने अपने हाथ में एक हथौड़ा और लोहे की एक कील ली। वह कील मुड़ी हुई थी। विवेक उन दोनों को साथ लेकर चल पड़ा।

वे तीनों एक वृद्ध व्यक्ति के पास पहुंचे। विवेक बोला,आप समझदार हैं, बुद्धिमान और अनुभवी हैं। हमारा एक छोटा-सा काम कर दें। यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई। आप इसे सीधी कर दें। वृद्ध ने कहा-हां कर दूंगा। विवेक ने वृद्ध के हाथ में हथौड़ा थमा दिया। वृद्ध व्यक्ति ने हथौड़ा चलाना चाहा किंतु वह उसे चला नहीं सका। उसके हाथ इस कार्य को करने में असमर्थ थे। उसने हथौड़ा लौटाते हुए कहा,भाई, यह कार्य संभव नहीं है। विवेक ने बुद्धि से कहा,देखो, बुद्धिमान होते हुए भी यह वृद्ध इस छोटे से कार्य को नहीं कर सका।

बुद्धि, बल और विवेक तीनों आगे बढ़े। विवेक ने देखा एक हट्टा-कट्टा जवान खेत में काम कर रहा है। वह शक्तिशाली था किंतु बुद्धिमान नहीं था। तीनों उस जवान के पास पहुंचे। विवेक ने कहा,भैया, तुम बहुत शक्तिशाली हो। क्या तुम हमारा एक काम कर दोगे? यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई है। इसे सीधा करना है। तुम इस हथौड़े से इसे सीधा बना दो। जवान ने हथौड़ा हाथ में लिया। कील को रेतीले टीले पर रखा। उस पर हथौड़े से एक जोरदार प्रहार किया। उस तेज प्रहार से खूब रेत उड़ी और सबकी आंखों में भर गई। कील भूमि के अंदर तक चली गई। विवेक ने बल से कहा,जब बल होता है, बुद्धि नहीं होती, तब यही स्थिति बनती है। बल और बुद्धि दोनों का अहंकार आहत हो उठा।

विवेक ने कहा-बलवान वही है, जिसमें बल और बुद्धि दोनों हो। जब तक मनुष्य में अपने बल और बुद्धि का घमंड रहेगा, उस पर भगवान की कृपा नहीं होगी। उसके बल की समाप्ति के बाद ही, भगवान का बल प्रारंभ होता है। भगवान को भूलकर मनुष्य कितना ही बुद्धि का विकास कर ले और कितना ही बलशाली बन जाए, उसे अपने लक्ष्य में सफलता नहीं मिल सकती। प्रेम से पुकारने पर भगवान खुद ही दौड़े चले आते हैं। सुदामा जब बाल सखा से मिलने पहुंचे तो उनके मन में कई शंकाएं थीं। भगवान श्रीकृष्ण को पता चला कि सुदामा उनसे मिलने आए हैं तो वे सुदामा को लाने के लिए नंगे पाव दौड़ पड़े।

उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाना होगा

ललित गर्ग

मानव एवं जीव-जंतुओं का जीवन भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, भूमि का दोहन, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण आज की जलवायु समस्याओं का सटीक समाधान हो सकता है, इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस 17 जून को मनाया जाता है। यह दिन मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के लिए जागरूकता बढ़ाने और लोगों को एकजुट करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है 'भूमि के लिए एकजुट। हमारी विरासत। हमारा भविष्य' है, संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह दिवस पर भूमि के महत्व और इसे भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। कोलंबिया गणराज्य इस वर्ष 17 जून को मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस के वैश्विक आयोजन की मेजबानी करेगा, जो प्रकृति-आधारित समाधानों के माध्यम से भूमि क्षरण को संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बोगोटा में आयोजित यह कार्यक्रम स्थिरता, शांति और समावेशी विकास के उत्प्रेरक के रूप में भूमि बहाली एवं सूखा निवारण की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालेगा, साथ ही भोजन, पानी, रोजगार और सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्वस्थ भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देगा।

स्वस्थ भूमि संपन्न अर्थव्यवस्थाओं का आधार है, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का आधा से अधिक हिस्सा प्रकृति पर निर्भर है। फिर भी हम इस प्राकृतिक पूंजी को खतरनाक दर से नष्ट कर रहे हैं- हर मिनट, भूमि क्षरण के कारण चार फुटबॉल मैदानों के बराबर भूमि नष्ट हो जाती है। इससे जैव विविधता का नुकसान होता है, सूखे का खतरा बढ़ता है और समुदाय विस्थापित होते हैं। इसके प्रभाव वैश्विक हैं-खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों से लेकर अस्थिरता और पलायन तक। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा हमारे समय की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से हैं तथा विश्वभर में 40 प्रतिशत भूमि क्षेत्र पहले से ही क्षरित माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र के पारिस्थितिकी तंत्र बहाली दशक 2021-2030 के आधे पड़ाव पर पहुंचने के साथ ही, हमें भूमि क्षरण की लहर को बड़े पैमाने पर बहाली में बदलने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए। यदि मौजूदा रुझान जारी रहे, तो हमें 2030 तक 1.5 बिलियन हेक्टेयर भूमि को बहाल करना होगा और एक ट्रिलियन डॉलर की भूमि बहाली अर्थव्यवस्था को गति देनी होगी।

भूमि को पुनःस्थापित करें, अवसरों को खोलें थीम के अंतर्गत, इस बात पर प्रकाश डालता है कि प्रकृति की नींव-भूमि-को पुनःस्थापित करने से किस प्रकार रोजगार सृजित हो सकते हैं, खाद्य और जल सुरक्षा को बढ़ावा मिल सकता है, जलवायु कार्रवाई का समर्थन किया जा सकता है और आर्थिक लचीलापन निर्मित किया जा सकता है। यह विशेष रूप से उन शुष्क, अर्द्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिन्हें शुष्क भूमि के रूप में जाना जाता है, इन स्थानों पर सबसे कमजोर पारिस्थितिक तंत्र पाए जाते हैं। यह दिवस अंतरराष्ट्रीय सहयोग से उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाता, बंजर और सूखे के प्रभाव का मुकाबला करने में सक्षम बनाता है। वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में बंजर और सूखे से जुड़े मुद्दे पर जन जागृति का माहौल निर्मित करने के लिये इस दिवस की घोषणा की। बढ़ते मरुस्थल के प्रति सचेत होना इसलिये जरूरी है कि दुनिया हर साल 24 अरब टन उपजाऊ भूमि खो देती है। मरुस्थलीकरण से बचाव के लिए जल संसाधनों का संरक्षण तथा समुचित मात्र में विवेकपूर्ण उपयोग काफी कारगर भूमिका अदा कर सकती है।

मरुस्थलीकरण एक तरह से भूमि क्षरण का वह प्रकार है, जब शुष्क भूमि क्षेत्र निरंतर बंजर होता है और नम भूमि भी कम हो जाती है। साथ ही साथ, वन्य जीव व वनस्पति भी खत्म होती जाती है। इसकी कई वजह होती हैं, इसमें जलवायु परिवर्तन और इंसानी गतिविधियां प्रमुख हैं। इसे रेगिस्तान भी कहा जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक 2025 तक दुनिया के दो-तिहाई लोग जल संकट की परिस्थितियों में रहने को मजबूर होंगे। उन्हें कुछ ऐसे दिनों का भी सामना करना पड़ेगा जब जल की मांग और आपूर्ति में भारी अंतर होगा। ऐसे में मरुस्थलीकरण के परिणामस्वरूप विस्थापन बढ़ने की संभावना है और 2045 तक करीब 13 करोड़ से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ सकता है। विश्व में जमीन का मरुस्थल में परिवर्तन होना गंभीर समस्या एवं चिन्ता का विषय है। भारत में भी यह चिंता लगातार बढ़ रही है। इसकी वजह यह है कि भारत की करीब 30 फीसदी जमीन मरुस्थल में बदल चुकी है। इसमें से 82 प्रतिशत हिस्सा केवल आठ राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) द्वारा जारी 'स्टेट ऑफ एनवायरमेंट इन फिगर्स 2019' की रिपोर्ट के मुताबिक 2003-05 से 2011-13 के बीच भारत में मरुस्थलीकरण 18.7 लाख हेक्टेयर बढ़ चुका है। सूखा प्रभावित 78 में से 21 जिले ऐसे हैं, जिनका 50 फीसदी से अधिक क्षेत्र मरुस्थलीकरण में बदल चुका है।

भारत में लगातार बढ़ रहे रेगिस्तान की गंभीर चिन्ताजनक स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जागरूक है और अपनी तीसरी पारी में अब प्रकृति- पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण-मुक्ति के साथ बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिये उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने एवं पर्यावरण की रक्षा को लेकर प्रधानमंत्री का संकल्प एक शुभ संकेत है, नये भारत के अभ्युदय का प्रतीक है। उम्मीद करें कि आजादी के अमृतकाल में सरकार की नीतियों में जल, जंगल, जमीन एवं जीवन की उन्नत संभावनाएं और भी प्रखर रूप में झलकेगी और धरती के मरुस्थलीकरण के विस्तार होते जाने की स्थितियों पर काबू पाने में सफलता मिलेगी। सरकार द्वारा मरुस्थलीकरण समस्या के समाधान के लिए भूमि और पारिस्थितिकी प्रबंधन क्षेत्र में नवाचार के जरिए टिकाऊ ग्रामीण आजीविका सुरक्षा हासिल करने के लिए भी कार्य किया जा रहा है। उदाहरण के लिए उत्तराखण्ड सरकार ने आजीविका स्तर सुधारने के लिए भूमि, जल और जैव विविधता का संरक्षण और प्रबंधन किया। सरकार के इन्हीं प्रयासों के तहत अहमदाबाद स्थित स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (एसएसी) ने 19 अन्य राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर मरुस्थलीकरण और भूमि की गुणवत्ता के गिरते स्तर पर देश का पहला एटलस बनाया है तथा दूरसंवेदी

उपग्रहों के जरिये जमीन की निगरानी की जा रही है। मरुभूमि की लवणता व क्षारीयता को कम करने में वैज्ञानिक उपाय को महत्व दिया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वतः उत्पन्न होने वाली अनियोजित वनस्पति के कटाई को नियंत्रित करने के साथ ही पशु चरागाहों पर उचित मानवीय नियंत्रण स्थापित करना चाहिए।

उपजाऊ जमीनों का मरुस्थल में बदलना निश्चय ही पूरी दुनिया के लिए भारी चिंता का विषय है। इसे अब एक धीमी प्राकृतिक आपदा के रूप में देखा जाने लगा है। अगर प्रकृति के साथ इस प्रकार से खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। आज आवश्यकता है कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की ओर विशेष ध्यान दिया जाए, जिसमें मुख्यतः धूप, खनिज, वनस्पति, हवा, पानी, वातावरण, भूमि तथा जानवर आदि शामिल हैं। इन संसाधनों का अंधाधुंध दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण ये संसाधन धीरे-धीरे समाप्त होने की कगार पर हैं। इस जटिल होती समस्या की ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विभिन्न वैश्विक मंचों के कार्यक्रमों कुछ सार्थक कदम उठाने के लिये पहल करना मरुस्थल को उपजाऊ भूमि में बदलने की नयी संभावनाओं को उजागर करता है। इस तरह के समाधान से जहाँ भूमि संरक्षण और उसकी गुणवत्ता बहाल होगी, वहीं विस्थापन में कमी आयेगी, खाद्य सुरक्षा सुधरेगी और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने के साथ वैश्विक जलवायु परिवर्तन से संबंधित समस्याओं से निजात मिल सकेगा। इस संदर्भ में देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र संघ व भारत सरकार के प्रयास सराहनीय हैं, लेकिन फिर भी उपलब्धियाँ नाकाफी रही हैं।

जी-7 शिखर सम्मेलन : मोदी की भूमिका है बड़ी

डॉ. एस.पी. शाही

जून 16-17, 2025 को कनाडा के कनानास्किस में आयोजित होने वाला 51वां जी-7 शिखर सम्मेलन न केवल इस समूह की 50वीं वर्षगांठ का प्रतीक है, बल्कि यह वैश्विक नेतृत्व के एक नये संतुलन की भी झलक देता है।

भले ही भारत जी-7 का औपचारिक सदस्य अभी नहीं है, किंतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की निरंतर और प्रभावी उपस्थिति इस मंच पर भारत की बढ़ती रणनीतिक महत्ता को तो दर्शाती ही है।

इस वर्ष भारत की जी-7 शिखर सम्मेलन में 12वीं सहभागिता होगी जबकि जी-7 शिखर सम्मेलन में यह प्रधानमंत्री मोदी की छठी उपस्थिति है।

यह तथ्य स्वयं इस बात का प्रमाण है कि भारत को अब केवल एक आमंत्रित देश के रूप में ही नहीं, बल्कि वैश्विक विमर्श में एक सक्रिय भागीदार के रूप में देखा जाता है। प्रधानमंत्री मोदी की जी-7 शिखर सम्मेलन में निरंतर सहभागिता ने भारत की भूमिका को केवल आर्थिक शक्ति तक सीमित नहीं रखा है, बल्कि स्वयं को एक वैश्विक नीति-निमार्ता के रूप में भी स्थापित किया है।

वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है, जिसकी जीडीपी कई जी-7 देशों विशेषकर-फ्रांस, इटली और कनाडा-से अधिक हो चुकी है। भारत का यह आर्थिक प्रभाव ध्यान खींचता है। इसके साथ ही भारत का युवा जनसांख्यिकीय लाभ और तकनीकी क्षमता यकीनन उसे एक वैश्विक साझेदार के रूप में और भी अधिक प्रासंगिक बनाते हैं। वर्ष 2023 में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने ह्यग्लोबल साउथह्व की आवाज को प्रभावशाली ढंग से विश्व मंचों पर प्रस्तुत किया था जिससे उसकी रणनीतिक स्थिति और भी सुदृढ़ हुई है।

भारत का जी-7 शिखर सम्मेलन में दृष्टिकोण बहुआयामी रहा है। इसलिए कि वह इस मंच को केवल आर्थिक नीति निर्धारण का अवसर भर नहीं मानता, बल्कि जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल परिवर्तन, वैश्विक स्वास्थ्य और वैश्विक शांति जैसे विषयों पर साझा रणनीति तैयार करने के लिए एक अवसर के रूप में भी देखता है। इस वर्ष के जी-7 एजेंडे के तीन प्रमुख स्तंभ हैं-1. शांति और सुरक्षा की रक्षा, 2. ऊर्जा और डिजिटल परिवर्तन, और 3. भविष्य के लिए साझेदारी। इन सभी में भारत की नीति और प्राथमिकताएं प्रतिध्वनित होती हैं।

कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआई), खनिज सुरक्षा और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में भारत का योगदान इस कदर रहा है कि भारत आज विश्व में एआई के अनुसंधान एवं विकास में भारत अग्रणी भूमिका निभा रहा है। डिजिटल इंडिया अभियान, भारत स्टैक जैसे नवाचारों ने भारत को टेक्नोलॉजिकल सुपरपावर के रूप में उभारा है। जी-7 में यह अनुभव साझेदारी के रूप में काम आ सकता है, विशेषकर विकासशील देशों की डिजिटल समावेशिता में।

भारत लगातार इस बात पर बल देता आया है कि वैश्विक निर्णयों में विकासशील देशों की चिंताओं को समुचित स्थान मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने जी-7 जैसे मंचों पर बार-बार यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका की समस्याएं भी वैश्विक एजेंडे का हिस्सा बनें। प्रधानमंत्री मोदी की जी-7 शिखर सम्मेलन में भागीदारी के साथ कई द्विपक्षीय वार्ता बैठकें भी प्रस्तावित हैं। ये वार्ताएं भारत की रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत करने का अवसर देंगी, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण में संयुक्त निवेश, आपूर्ति श्रृंखलाओं के विविधीकरण और रक्षा सहयोग के क्षेत्र में।

जी-7 शिखर सम्मेलन अब केवल एक पश्चिमी देशों का क्लब भर नहीं रह गया है, बल्कि यह एक ऐसा मंच बन चुका है जहां वैश्विक नेतृत्व की नई परिभाषाएं लिखी जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भागीदारी इस बात का संकेत है कि भारत अब केवल एक श्रोता या दर्शक भर नहीं रहा, बल्कि वह एक निर्णायक आवाज भी बन चुका है। भारत का दृष्टिकोण वैश्विक समरसता, साझा विकास और समावेशी भविष्य की ओर केंद्रित है, और जी-7 जैसे मंच भारत को इसी वैश्विक भूमिका को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं। कहा जा सकता है कि भारत

की भागीदारी, केवल उपस्थिति नहीं दर्ज कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका अपना एक अलग प्रभाव है।

(लेखक मगध विविश्व के कुलपति हैं। लेख में विचार निजी हैं)

सोलर सेक्टर में काम करेगी कंपनी, कल रहेगी निवेशकों की नजर, 45 पैसे का है शेयर

मुंबई। पेनी स्टॉक केबीसी ग्लोबल के शेयर कल सोमवार को कारोबार के दौरान फोकस में रह सकते हैं। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 2 प्रतिशत से अधिक टूट गए और 0.45 रुपये पर पहुंच गए थे। दरअसल, कंपनी ने एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, धरन इंफ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की घोषणा की है। यह सहायक कंपनी सोलर एनर्जी और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में काम करेगी, जिससे इस क्षेत्र में कंपनी की उपस्थिति मजबूत होगी।

क्या है डिटेल

नासिक स्थित इंफ्रास्ट्रक्चर और ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) सेवा फर्म ने 14 जून को घोषणा की कि उसने रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में अपने विस्तार के हिस्से के रूप में एक नई पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, धरन इंफ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड को शामिल किया है। केबीसी ग्लोबल ने कहा,बोर्ड मेंबर ने 13 जून, 2025 को आयोजित अपनी बैठक में इस कदम को मंजूरी दे दी।

नई कंपनी सौर और हाइब्रिड ऊर्जा समाधानों पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो स्थिरता और हरित प्रौद्योगिकी के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप होगी। कंपनी ने आगे बताया कि धरन इंफ्रा सोलर प्राइवेट लिमिटेड रिन्यूएबल एनर्जी मॉड्यूल, सेल और सहायक उपकरण के निर्माण, डिजाइन, विकास और सुधार सहित कई तरह की गतिविधियों में शामिल होगी। इसमें अनुसंधान, व्यापार, खरीद, बिक्री, थोक बिक्री, खुदरा बिक्री, वितरण, आयात, निर्यात, संयोजन, निर्माण, मरम्मत, रखरखाव, परिवर्तन और सौर ऊर्जा परियोजनाओं और हाइब्रिड सिस्टम का संचालन शामिल है जो सौर फोटोवोल्टिक प्रौद्योगिकी को अक्षय ऊर्जा के अन्य रूपों के साथ जोड़ते हैं - जिसका उद्देश्य सोलर एनर्जी परियोजनाओं के लिए एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करना है। कंपनी बुनियादी ढांचे और ईपीसी परियोजनाओं पर फोकस करने और बाजार में अपने ब्रांड को फिर से स्थापित करने के लिए रणनीतिक बदलाव के हिस्से के रूप में केबीसी ग्लोबल लिमिटेड से धरन इंफ्रा-ईपीसी लिमिटेड में रीब्रांडिंग कर रही है। फरवरी 2024 में, निदेशक मंडल ने 260 करोड़ के ऑर्डर बुक साइज के साथ शेयरधारकों को 1:1 बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दी।

केबीसी ग्लोबल शेयर

जून में अब तक पेनी स्टॉक में लगभग 22 प्रतिशत की उछाल आई है और ऐसा लगता है कि यह सात महीने की गिरावट के अपने सिलसिले को तोड़ने वाला है। पिछले साल भर में, स्टॉक में 50 प्रतिशत की गिरावट आई है, पिछले साल 7 नवंबर को 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 1.28 और इस साल 13 मई को 52-सप्ताह के निम्नतम स्तर 0.34 पर पहुंच गया।

निवेशकों को तगड़ा झटका!

एसबीआई ने इस एफडी की ब्याज दर पर चलाई कैंची

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने अमृत वृष्टि स्पेशल एफडी स्कीम पर ब्याज दरों में कटौती कर दी है, जिससे फिक्स्ड डिपॉजिट करने वाले निवेशकों को झटका लगा है। नई ब्याज दरें 15 जून 2025 से लागू होंगी। हालांकि, अन्य सामान्य एफडी योजनाओं की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

कितना घटा ब्याज

अमृत वृष्टि योजना में 444 दिनों की अवधि के लिए अब ब्याज दर 6.85 प्रतिशत से घटाकर 6.60 प्रतिशत कर दी गई है। यह कटौती 25 बेसिस प्वाइंट की गई है।

सीनियर और सुपर सीनियर सिटीजन के लिए क्या है नई दर- सीनियर सिटीजन (60 वर्ष या उससे अधिक) को अब 7.10 प्रतिशत सालाना ब्याज मिलेगा। सुपर सीनियर सिटीजन (80 वर्ष या उससे अधिक) को 7.20 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी, जिसमें 10 बीपीएस का अतिरिक्त लाभ शामिल है।

समय से पहले एफडी तोड़ने पर पेनल्टी- 5 लाख रुपए तक की एफडी= समय से पहले तोड़ने पर 0.50 प्रतिशत जुर्माना। 5 लाख से 3 करोड़ रुपए तक की एफडी= तोड़ने पर 1 प्रतिशत जुर्माना।

ब्याज दरों में कटौती का कारण

हाल ही में आरबीआई की जून नीति बैठक में रेपो रेट में 50 बीपीएस की कटौती की गई थी।

स्पाइसजेट का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में तीन गुना होकर 325 करोड़ रुपए पर

मुंबई, एजेंसी। किफायती एयरलाइंस स्पाइसजेट ने शनिवार को कहा कि बीते वित्त वर्ष की मार्च 2025 तिमाही में उसका कर पश्चात एकल मुनाफा लगभग तीन गुना होकर 324.87 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एयरलाइन ने शेयर बाजार को बताया कि 2023-24 की चौथी तिमाही में उसका शुद्ध

लाभ 119 करोड़ रुपए था। स्पाइसजेट ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन राजस्व सालाना आधार पर 16 प्रतिशत घटकर 1,446.37 करोड़ रुपए रह गया, जो 2023-24 की चौथी तिमाही में 1,719.3 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2024-25 में स्पाइसजेट का घाटा सालाना आधार पर 409 करोड़ रुपए से बढ़कर 580.74 करोड़ रुपए हो गया। इस अवधि में परिचालन राजस्व 25 प्रतिशत घटकर 5,284 करोड़ रुपए रह गया।

अमेजन के जेफ बेजोस की जगह इस बिजनेसमैन ने ली

बने दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति, 1 दिन में 26 बिलियन जोड़े

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस अब दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति नहीं रह गए। लैरी एलिसन ने गुरुवार को अपने नेटवर्थ में 26 बिलियन डॉलर जोड़े हैं। जोकि किसी भी अरबपति के द्वारा एक दिन में जोड़ा गया सबसे अधिक पैसा है। जिसके बाद 12 जून को उनकी नेट वर्थ 243 बिलियन डॉलर हो गई है। वहीं, अमेजन के चेयरमैन जेफ बेजोस की नेटवर्थ 227 बिलियन डॉलर है। बता दें, जेफ बेजोस ने 8 साल के बाद अरबपतियों की लिस्ट में दूसरे स्थान को गंवाया है। जेफ बेजोस इस समय मेटा के चेयरमैन मार्क जुकरबर्ग (239 बिलियन) से भी पिछड़ गए हैं। बता दें, अरबपतियों की लिस्ट में नंबर एक स्थान पर इस समय भी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क काबिज हैं। उनकी नेटवर्थ 407 बिलियन

डॉलर है। एलिसन की संपत्ति में इजाफा ओरेकल के शानदार प्रदर्शन की वजह से हुआ है। मई में समाप्त हुए तिमाही में ओरेकल का नेट प्रॉफिट और रेवन्यू मार्केट के अनुमान के मुताबिक रहा है। जिसकी वजह कंपनी के शेयरों का भाव पहली बार 200 डॉलर को क्रॉस कर गया। जिसका फायदा एलिसन को भी मिला है। फॉर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार ओरेकल के शेयरों की कीमतों में बुधवार को 13 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली थी। कंपनी की तरफ से जारी रिपोर्ट के अनुसार अर्निंग पर शेयर 1.70 डॉलर पहुंच गया है। वहीं, सेल्स 15.9 बिलियन डॉलर रहा है।

जेफ बेजोस कब बने थे दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति- अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस 2017 में दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए थे। तब उनका नेटवर्थ 75.6 बिलियन डॉलर पहुंच गया था।

कंपनी के पास 30,000 करोड़ रुपये का वर्क ऑर्डर, नेट प्रॉफिट में 316 प्रतिशत उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। स्मार्ट मीटरिंग कंपनी जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने शेयर बाजार में बीते कुछ सालों के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है। इस कंपनी के पास 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की कीमत का वर्क ऑर्डर है। अगले 3 से 4 महीने में तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक और वेस्ट बंगाल में 27,300 करोड़ रुपये का टेंडर खुलने जा रहा है। बता दें, इस कंपनी के प्रदर्शन को लेकर 2-2 एक्सपर्ट्स बुलिश हैं। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयरों पर नजर रखने वाले 2 एक्सपर्ट्स ने रेटिंग दी है। दोनों ब्रोकर ने इस स्टॉक को क्रद्ध टैग दिया है। बता दें, इस कंपनी की वित्तीय स्थिति भी काफी मजबूत है।

कंपनी का रेवन्यू कितना रहा है- जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का रेवन्यू मार्च तिमाही के दौरान 937 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 420 करोड़ रुपये रहा था। यानी रेवन्यू के मोर्चे पर 123.10 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। जनवरी से मार्च 2025 के दौरान इस कंपनी का नेट प्रॉफिट 316.13 प्रतिशत बढ़ा है। जोकि एक वित्त वर्ष पहले इसी तिमाही में यह 31 करोड़ रुपये रहा है। बता दें, जनवरी से मार्च 2025 के दौरान इस कंपनी का नेट प्रॉफिट 129 करोड़ रुपये रहा था।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन बीते एक साल में कैसा रहा

शुक्रवार को जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयर 3.88 प्रतिशत की गिरावट के बाद 370.30 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। महज एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 12 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। वहीं, 2 साल में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 256 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बता दें, बीते 5 साल में इस कंपनी ने 1833 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

पाटिल ऑटोमेशन लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। पाटिल ऑटोमेशन लिमिटेड (कंपनी), जो विभिन्न क्षेत्रों के निर्माताओं के लिए पूरी तरह से स्वचालित रोबोटिक लाइनों और कस्टम ऑटोमेशन सॉल्यूशंस का डिज़ाइन और निर्माण करती है, अपनी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश सोमवार, 16 जून 2025 को लॉन्च करने जा रही है। कंपनी इस इश्यू के माध्यम से 69.61 करोड़ (ऊपरी प्राइस बैंड के अनुसार) जुटाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी के शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

इस इश्यू के तहत कंपनी 58,00,800 इक्विटी शेयर 10 के फेस वैल्यू पर, प्राइस बैंड 114 से 120 प्रति शेयर के बीच जारी करेगी।

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी द्वारा निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया जाएगा- नई विनिर्माण सुविधा की स्थापना हेतु पूंजीगत व्यय, कंपनी द्वारा लिए गए कुछ ऋणों का पुनर्भुगतान, और सामान्य कॉर्पोरेट आवश्यकताएं।

इस इश्यू के लिए एंकर निवेश की प्रक्रिया 13 जून 2025 को खुलेगी और इश्यू 18 जून 2025 को बंद होगा।

पाटिल ऑटोमेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री मनोज पाटिल ने कहा, इस पब्लिक ऑफरिंग के साथ हम अपनी विकास यात्रा में एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य पटिल ऑटोमेशन को कस्टमाइज्ड इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन सॉल्यूशन्स के अग्रणी प्रदाता के रूप में और मजबूत करना है। हमने उच्च गुणवत्ता वाले, विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए ऑटोमेशन सिस्टम लगातार डिलीवर कर देश के प्रमुख आइएमएस और कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स के साथ मजबूत साझेदारियाँ विकसित की हैं। आज हम 10 राज्यों में अपनी मजबूत उपस्थिति और लगातार मिल रहे रिपीट ऑर्डर्स के माध्यम से अपने समाधान की विश्वसनीयता और ग्राहक प्रतिबद्धता को सिद्ध कर चुके हैं। यह आगामी आईपीओ हमारे दीर्घकालिक विज़न का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इससे प्राप्त पूंजी का उपयोग हम एक नई मैन्युफैक्चरिंग सुविधा की स्थापना के लिए करेंगे, जिससे हम विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन और डिफेंस सेगमेंट में बढ़ती मांग को पूरा कर सकेंगे। साथ ही, यह हमारे भविष्य के विकास को वित्तीय मजबूती प्रदान करेगा।

श्री गौतम लाठ, निदेशक, सीरीन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, हमें पाटील ऑटोमेशन लिमिटेड के आईपीओ में लीड मैनेजर के रूप में जुड़कर खुशी हो रही है। कंपनी ने औद्योगिक ऑटोमेशन क्षेत्र में ओईएम और कंपोनेंट निर्माताओं के लिए व्यावहारिक और कस्टमाइज्ड समाधान प्रदान करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है।

उद्योगों में बढ़ती दक्षता और तकनीक अपनाने पर जोर के साथ ऑटोमेशन की मांग लगातार बढ़ रही है। पाटील ऑटोमेशन अपनी वर्तमान क्षमताओं और अनुभव के साथ इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हमें विश्वास है कि इस आईपीओ से मिलने वाली राशि कंपनी को अपने विनिर्माण ढांचे के विस्तार और नए उभरते क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करने में सहायता करेगी।

5 टुकड़ों में बंट जाएगा स्मॉल कैप स्टॉक, रिकॉर्ड डेट इसी महीने, कीमत 50 रुपये से कम

नईदिल्ली, एजेंसी। लड्डू गोपाल ऑनलाइन सर्विसेज के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा 5 हिस्सों में किया जा रहा है। इस स्टॉक का भाव 50 रुपये से कम का है। आइए विस्तार से जानते हैं इस स्टॉक के विषय में -

10 टुकड़ों में बांटा जाएगा- लड्डू गोपाल ऑनलाइन सर्विसेज के शेयरों का बंटवारा 5 हिस्सों में किया गया है। 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर की फेस वैल्यू 5 टुकड़ों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के लिए कंपनी ने 24 जून 2025 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस दिन कंपनी के शेयरों का 5 हिस्सों में बंटवारा हो जाएगा।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा रहा- शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 21.40 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। बीते एक महीने के दौरन कंपनी के शेयरों की कीमतों में 29 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 30 प्रतिशत बढ़ा है। हालांकि, इसके बाद भी कंपनी के शेयरों का भाव 12.22 नीचे गिरा है। सेंसेक्स इंडेक्स में इस दौरान 5.61 प्रतिशत की उछाल देखन को मिली है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 26.72 रुपये और 52 वीक लो लेवल 11.96 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 57.69 करोड़ रुपये का है। 2 साल

आकाश भोपाल के ठाकुर आर्यमन सिंह की नीट यूजी 2025 में ऑल इंडिया रैंक 568

भोपाल। देशभर में परीक्षा की तैयारी कराने वाली अग्रणी संस्था आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने गर्वपूर्वक घोषणा की है कि भोपाल शाखा के 5 छात्रों ने नीट यूजी 2025 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर शीर्ष रैंक प्राप्त की है।

यह उत्कृष्ट उपलब्धि छात्रों की निष्ठा, शैक्षणिक अनुशासन और एइएसएल द्वारा प्रदान किए गए विश्वस्तरीय कोचिंग और मार्गदर्शन का परिणाम है। परीक्षा परिणाम कल नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा घोषित किए गए। भोपाल शाखा के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्र हैं- ठाकुर आर्यमन सिंह - ऑल इंडिया रैंक 568 विशिष्ठा यादव एआइआर 1709, आस्था चौधरी एआइआर 2519, अनुष्ठा सिंह एआइआर 2629, मनमीत कौर मोंगा एआइआर 2900, ये छात्र एइएसएल के क्लासरूम प्रोग्राम में नामांकित थे, जिसे विशेष रूप से नीट जैसी कठिन मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए तैयार किया गया है। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय एइएसएल द्वारा दी गई मजबूत शैक्षणिक नींव, स्पष्ट वैचारिक समझ और नियमित एवं अनुशासित अध्ययन पद्धति को दिया। छात्रों ने कहा-हम आकाश के बेहद आभारी हैं, जिन्होंने हमारी इस यात्रा में हर कदम पर मार्गदर्शन किया। संगठित पाठ्यक्रम, विशेषज्ञ शिक्षकों की टीम और व्यक्तिगत मेंटरशिप ने जटिल विषयों को समझना आसान बना दिया।

एइएसएल के बिना यह सफलता संभव नहीं थी। एइएसएल के चीफ एकेडमिक एंड बिजनेस हेड डॉ. एच.आर. राव ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा- नीट यूजी 2025 में हमारे छात्रों की उत्कृष्ट सफलता पर हमें अत्यधिक गर्व है। इस परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करना कोई साधारण बात नहीं है, विशेष रूप से तब जब इसमें देशभर से लाखों छात्र भाग लेते हैं। यह परिणाम न केवल छात्रों की मेहनत और दृढ़ संकल्प का, बल्कि उनके अभिभावकों के सहयोग और हमारी अकादमिक टीम की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण हैं। हम इन सभी छात्रों को उनके उज्ज्वल चिकित्सा करियर के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

800 प्रतिशत रिटर्न देने वाले स्टॉक को 5 हिस्सों में हो रहा बंटवारा

69.30 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर स्टॉक केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। कंपनी के शेयरों का बंटवारा 5 हिस्सों में किया जाएगा। कंपनी वारेंट्स के जरिए 69.30 करोड़ रुपये जुटाने जा रही है। कंपनी ने ईजीएम आज 11 जुलाई 2025 को होगी। इसी में अप्रूवल किया जाएगा। आइए डीटेल्स में जानते हैं -

5 हिस्सों में बंट रहा है स्टॉक - केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों का बंटवारा 5 हिस्सों में किया जा रहा है। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। कंपनी ने अभी तक रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है। जल्द ही कंपनी की तरफ से रिकॉर्ड डेट का ऐलान किया जाएगा।

2018 में कंपनी ने दिया था बोनस शेयर- केलटॉन टेक सॉल्यूशंस ने 2018 में निवेशकों को बोनस शेयर दिया था। कंपनी ने एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया था। 2021 में इस कंपनी ने बोनस शेयर दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 25 पैसे का डिविडेंड दिया था।

शेयर बाजार में बीता एक साल कैसा रहा है- शुक्रवार को केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों का भाव 2.57 प्रतिशत की गिरावट के बाद 130.70 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था बीते एक हफ्ते में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 8.96 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, एक साल केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक 28 प्रतिशत का फायदा हुआ है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 5.61 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी का 52 वीक हाई 184.30 रुपये और 52 वीक लो लेवल 95.05 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 1274.51 करोड़ रुपये का है।

5 साल में केलटॉन टेक सॉल्यूशंस के शेयरों की कीमतों में 800 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 206 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

मानसून ने मध्य प्रदेश में प्रवेश किया, यूपी में आकाशीय बिजली गिरने से 3 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून ने मध्य प्रदेश में प्रवेश कर लिया है। एक दिन की देरी से बड़वानी, खरगौन, खंडवा और बुरहानपुर के रास्ते मानसून राज्य में पहुंच गया है। बीते साल यह 21 जून को आया था। हालांकि पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में मानसून का प्रवेश 27-28 मई को हो गई थी, मध्यप्रदेश में 21 दिन बाद मानसून की दस्तक हुई है। वहीं यूपी के जौनपुर में आकाशीय बिजली से 3 लोगों की जान गई। गोरखपुर और ललितपुर में 2-2 लोगों की मौत हुई है। बरेली में तेज बारिश और बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई। इन घटनाओं ने लोगों के साथ-साथ प्रशासन को भी सतर्क किया है। वहीं 17 जून को तमिलनाडु, पुडुचेरी, विदर्भ, पूर्वी मध्यप्रदेश, गुजरात सौराष्ट्र, बिहार, सिक्किम में भारी बारिश का अलर्ट है। ओडिशा, उत्तराखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, केरल और कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, बंगाल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। 18 जून को गुजरात, सौराष्ट्र, कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, कर्नाटक, पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बंगाल, सिक्किम में भारी बारिश का अलर्ट है। बिहार, झारखंड, ओडिशा, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

अमरोहा में पटाखा फैक्ट्री में धमाका, चार महिलाओं की मौत

अमरोहा (एजेंसी)। यूपी के अमरोहा के गांव अतरासी कलां में खेतों के बीच संचालित पटाखा फैक्ट्री में सोमवार दोपहर तेज धमाका हुआ। पूरी फैक्ट्री ताश के पत्तों की तरह ढह गई। हादसे में चार महिलाओं की मौत हो गई। दर्जनों अन्य लोग घायल हो गए। मौके पर अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस-प्रशासनिक और दमकल टीमों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मलबे के नीचे दबे मजदूरों को निकालने का प्रयास किया जा रहा है। सोमवार को करीब 11:45 बजे अतरासी कलां में संचालित पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हुआ। धमाका इतना तेज था कि पूरी पटाखा फैक्ट्री ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। धमाके की आवाज सुन ग्रामीणों के बीच भी हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने राहत एवं बचाव का कार्य शुरू किया। अब तक हादसे में चार महिलाओं की मौत की सूचना मिली है। वहीं हादसे से दर्जनों लोगों के घायल होने की बात सामने आई है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। यहां उनका इलाज शुरू हो गया है। अमरोहा पुलिस के मुताबिक, पटाखा फैक्ट्री लाइसेंसी थी। लाइसेंस धारक सैफउर्रहमान पुत्र केसर अहमद निवासी हापुड़ चला रहा था। पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से चार महिलाओं की मौत हुई है। जबकि छह महिलाएं जख्मी हो गई हैं। उन्होंने बताया कि हादसे के कारणों की पड़ताल की पड़ताल की जा रही है।

सास, ससुर और सालों से परेशान युवक पहुंचा थाने, पत्नी नहीं सुनती

देवबंद, (एजेंसी)। ससुराल पक्ष द्वारा चार लाख रुपये की मांग करने और पैसे न देने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी से परेशान दामाद ने पुलिस से मदद मांगी है। गांव बचीटी निवासी ग्रामीण ने सास, ससुर और अपने दो सालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बचीटी निवासी मोहतशिम पुत्र अलीजान ने कहा है कि करीब पांच वर्ष पूर्व उसका निकाह कुटेसरा गाव निवासी मुस्कान पुत्री यासीन से हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल के लोग प्रताड़ित करते चले आ रहे हैं और उसकी पत्नी भी अपने स्वजन के कह अनुसार काम करती है। बीती पांच जून को उसका ससुर यासीन, सास महकारा और उसके साले फरमान व नोमान ने घर आकर उसके परिजनों के साथ मारपीट की थी। आरोप है कि अब उसका ससुर यासीन उससे चार लाख रुपये मांग रहा है और न देने पर झूठे मुकदमे में फंसा देने की धमकी दे रहा है। जिससे वह और उसका परिवार डरा हुआ है।

बिहार के बेतिया में चला बुलडोजर, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू

बेतिया (एजेंसी)। नगर के वार्ड चार स्थित हनुमंतनगर से अतिक्रमण हटाया गया। सोमवार को नगर निगम की टीम पूरी तैयारी के साथ जेसीबी लेकर हनुमंतनगर पहुंची और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू हो गई। बुलडोजर एक्शन से देखते ही देखते अतिक्रमण कर बनाए गए दुकान और घरों को जमींदोज किया गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस जवान मौजूद रहे। हालांकि अतिक्रमण हटाने के दौरान एक दो महिलाओं ने हल्का विरोध किया, लेकिन टीम पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। महिला पुलिस ने विरोध कर रही महिलाओं को नियंत्रित कर लिया। अतिक्रमण हटाने गए टीम के सदस्यों ने बताया कि 15 घरों को तोड़ा गया है। निगम के कड़ा तेवर को देखकर लोगों ने एक दिन पहले ही अतिक्रमण का बड़ा हिस्सा हटा लिया था। बताया जाता है कि हनुमंतनगर में नगर निगम द्वारा सड़क का निर्माण होना है। इस पथ पर अतिक्रमण के कारण कार्य शुरू नहीं हो सका है। करीब दो माह पूर्व नगर निगम की ओर से 15 अतिक्रमणकारियों को चिह्नित किया गया था। अतिक्रमण हटाने के लिए उन्हें नोटिस दिया गया है, लेकिन नोटिस के बाद भी लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया था।

कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए पहला जत्था सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच साल बाद सिक्किम में नाथुला दर्रे के माध्यम से कैलाश मानसरोवर यात्रा आधिकारिक तौर पर फिर से शुरू हुई है, जो हिंदू श्रद्धालुओं और भारत-चीन सांस्कृतिक कूटनीति के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए 36 तीर्थयात्रियों का पहला समूह सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंचा है और सोमवार को मौसमी अनुकूलन के लिए '17 माइल' क्षेत्र चला गया। अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्री सिक्किम में नाथू ला दर्रे और तिब्बत के शिगात्से शहर से होकर कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक पहुंचने वाले है।

एलओसी पर बाड़बंदी को लेकर एडीईओ ने कर्नल पर किया हमला, वीडियो वायरल

- यूजर ने लिखा- यह न केवल एक अधिकारी पर हमला बल्कि सेना का अपमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एलओसी पर बाड़बंदी के प्रोजेक्ट को लेकर हुआ विवाद अब बढ़ गया है। इस विवाद में सहायक रक्षा संपदा अधिकारी (एडीईओ) त्रियाम सिंह ने भारतीय सेना के कर्नल अंकुश चौधरी पर हमला कर दिया। यह घटना 12 जून की बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक त्रियाम सिंह ने बाड़बंदी प्रोजेक्ट के लिए जरूरी बोर्ड प्रोसीडिंग्स पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसने न केवल रक्षा मंत्रालय की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए है बल्कि भ्रष्टाचार के आरोपों को भी हवा दे दी।

जवाब में कर्नल चौधरी के सिख सैनिकों ने एकजुटता दिखाते हुए त्रियाम सिंह के खिलाफ कार्रवाई की, जिसने इस मामले को और गरमा दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक कर्नल अंकुश चौधरी इस बाड़बंदी प्रोजेक्ट के प्रभारी थे। उन्होंने त्रियाम सिंह से प्रोजेक्ट से संबंधित दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने को कहा। यह प्रोजेक्ट पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद और भी अहम माना जा रहा है। इस हमले के बाद एलओसी पर बाड़बंदी को मजबूत करना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अहम है।

त्रियाम सिंह ने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया और बहस के दौरान कर्नल चौधरी पर शारीरिक हमला कर दिया। इस घटना ने सैनिकों में गुस्सा भड़का दिया और इंजीनियर रेजिमेंट के सिख सैनिकों ने त्रियाम सिंह के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में सैनिकों की यह प्रतिक्रिया साफ दिखाई दे रही है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने त्रियाम सिंह के खिलाफ गुस्सा निकाला। एक यूजर ने लिखा कि यह न केवल एक अधिकारी पर हमला है, बल्कि उन सभी सैनिकों का अपमान है जो हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं। एक अन्य यूजर ने टिप्पणी की कि एडीईओ भाग्यशाली थे कि जवान वहां मौजूद नहीं थे, वरना कहानी कुछ और होती। सैन्य दिग्गजों ने भी इस घटना की निंदा की है। एक अन्य ने एक्स पर लिखा सैनिकों के लिए उनका कमांडिंग ऑफिसर भगवान के समान होता है।

कई लोगों ने डीईओ पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। एक पोस्ट में दावा किया गया कि डीईओ अक्सर प्रोजेक्ट्स को रिश्वत के लिए रोकता है। इस घटना ने मार्च 2025 में पंजाब के पटियाला में हुई एक अन्य घटना की याद दिला दी, जिसमें कर्नल पुष्पिंदर सिंह बाठ और उनके बेटे पर पंजाब पुलिस के कर्मियों ने हमला कर दिया था। उस मामले में 12 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया था। एलओसी पर बाड़बंदी का यह प्रोजेक्ट राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत अहम है, खासकर हाल के आतंकी हमलों के बाद। बाड़बंदी प्रोजेक्ट का उद्देश्य घुसपैठ को रोकना और सीमा पर सुरक्षा

को और मजबूत करना है।

इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या रक्षा मंत्रालय के अंदर भ्रष्टाचार इतना गहरा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोजेक्ट्स को भी प्रभावित कर रहा है? त्रियाम सिंह के खिलाफ अभी तक कोई ठोस कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है, जिससे लोगों में नाराजगी है। सैनिकों की प्रतिक्रिया को कुछ लोगों ने अनुशासनहीनता करार दिया, जबकि अन्य ने इसे अपने कमांडर के प्रति वफादारी का प्रतीक बताया है।

अब तक 465764 श्रद्धालु ने मां वैष्णो देवी के चरणों में माथा टेका

कटरा। ,(ईएमएस)। जून माह के प्रथम पखवाड़े तक 465764 श्रद्धालु अब तक मां वैष्णो देवी के चरणों में माथा टेक चुके हैं। चूंकी वर्तमान में मां वैष्णो देवी की यात्रा जोर-शोर से चल रही है, इस कारण मां वैष्णो देवी भवन परिसर जहां तक की आधार शिविर कटड़ा श्रद्धालुओं से गुलजार है हर तरफ श्रद्धालुओं की चहल पहल लगातार बनी हुई है। बीती शाम से बदले मौसम का रंग सोमवार को भी दिन भर देखने को मिला, क्योंकि दिन भर एक और जहां आसमां के साथ ही मां वैष्णो देवी के त्रिकूट पर्वत पर बादलों का जमघट लगा रहा, वहीं दूसरी और ठंडी हवाओं के साथ बीच-बीच में हल्की बारिश का भी सामना श्रद्धालुओं को मां वैष्णो देवी की यात्रा के दौरान करना पड़ा। वर्तमान में मौसम पूरी तरह से सुहावना बना हुआ है। मौसम में हुए बदलाव के साथ ही हो रही हल्की बारिश को लेकर मां वैष्णो देवी के सभी मार्गों पर आपदा प्रबंधन दल, के साथ ही श्राइन बोर्ड प्रशासन, पुलिस विभाग, सीआरपीएफ के अधिकारी व जवान जगह-जगह तैनात हैं और लगातार मां वैष्णो देवी की यात्रा पर नजर रखे हुए हैं ताकि मां के दर्शन करने आए श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। श्रद्धालुओं को वैष्णो देवी यात्रा के दौरान बैटरी कार सेवा के साथ ही मां वैष्णो देवी भवन तथा भैरव घाटी के मध्य चलने वाली रोपवे केवल कार सेवा जैसी सुविधाएं बिना किसी परेशानी के उपलब्ध हो रही है। आधार शिविर कटड़ा से चलने वाली हेलीकॉप्टर सेवा बीच-बीच में बदले मौसम के कारण प्रभावित हुई। वहीं श्रद्धालुओं को घोड़ा, पिट्ठू तथा पालकी आदि की सेवा भी लगातार उपलब्ध हो रही है और श्रद्धालु इन सेवाओं का लाभ उठाते हुए निरंतर मां वैष्णो देवी की यात्रा कर रहे हैं।

दामाद के बाद संजय झा की बेटियों को लेकर नीतीश पर हमलावार तेजस्वी

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बड़े नेताओं के रिश्तेदारों को लेकर राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। बिहार राज्य अनुसूचित जाति आयोग में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बहनोई मृणाल पासवान और जीतनराम मांझी के दामाद देवेंद्र मांझी, बिहार धार्मिक न्यास बोर्ड में अशोक चौधरी के दामाद सायन कुणाल के मनोनयन के बाद विपक्ष नीतिश सरकार पर हमलावार है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा था कि नीतीश की सरकार को जमाई आयोग का गठन हुआ। अब राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा की बेटियों को सुप्रीम कोर्ट में सरकारी वकील बनाने पर सवाल उठा दिया है।

आरजेडी के सोशल मीडिया खाते से केंद्र सरकार के आदेश की कॉपी पोस्ट करके दलितों, पिछड़ों और अति पिछड़ों की हकमारी पर सवाल उठाया गया है। कानून मंत्रालय के 9 अक्टूबर 2024 के आदेश के द्वारा सुप्रीम कोर्ट में केंद्र की ओर से केस लड़ने के लिए

संजय झा की बेटियों अद्या झा और सत्या झा की सेवा तीन साल के लिए ली गई है। कानून की पढ़ाई कर चुकी दोनों बेटियों की सेवा वकीलों के ग्रुप ए पैनल में ली गई है। बात दें कि केंद्र और राज्य सरकारें जिला से सुप्रीम कोर्ट तक वकीलों की सेवा लेती है, इसके लिए पैनल में नाम होना चाहिए। जिल स्तर पर पीपी व एपीपी की सेवा भी इसी तरह ली जाती है।

राजद ने आरोप लगाया है कि जेडीयू नेता संजय झा की दोनों बेटियों को कोई विशेष अनुभव नहीं है। राजद ने पूछा है कि जदयू के कितने दलित, पिछड़े और अति पिछड़े नेताओं, सांसदों, मंत्रियों या कार्यकर्ताओं के बेटे-बेटियों को यह विशेषाधिकार प्राप्त है कि बिना अनुभव यह उपलब्धि प्राप्त कर लें।

पहलगाम आतंकी हमले पर टीएमसी सांसद बनर्जी के मोदी सरकार से सवाल

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी ने पहलगाम आतंकी हमले पर मोदी सरकार से 5 सवाल पूछे हैं। उन्होंने कहा कि हमले को 55 दिन से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन सरकार ने बॉर्डर सेफ्टी, इंटेलिजेंस, विदेश नीति, मीडिया और ज्यूडिशियरी के सवालों पर जवाब नहीं दिया।

टीएमसी सांसद बनर्जी ने कहा कि विपक्ष, मीडिया और ज्यूडिशियरी ने भी इन सवालों को नहीं उठाया। यह लोकतंत्र के लिए बहुत चिंताजनक है। एक जिम्मेदार नागरिक और जनप्रतिनिधि होने के नाते, मैं भारत सरकार के सामने 5 सवाल रखता हूं।

उन्होंने पूछा कि पहलगाम हमला नेशनल सिक्योरिटी के लिए बड़ी चूक था, इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। अगर सुरक्षा तंत्र फेल हुआ, तब इंटेलिजेंस ब्यूरो के चीफ को एक साल का विस्तार क्यों दिया गया।

सरकार पेगासस जैसे जासूसी टूल का इस्तेमाल आतंकियों के खिलाफ क्यों नहीं कर रही है। इतना ही नहीं उन्होंने पूछा कि मोदी सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि पहलगाम के हमलावर जिंदा है या मारे गए।

आतंकवादी सीमा में कैसे घुसे? हथियारों से लैस 4 आतंकवादी भारतीय सीमा में कैसे घुसे और 26 लोगों की जान कैसे चली गई? यह नेशनल सिक्योरिटी के लिए बड़ी चूक थी। विफलता की जिम्मेदारी कौन लेगा?

आईबी चीफ का कार्यकाल क्यों बढ़ाया? अगर हमला सुरक्षा में चूक के कारण हुआ था, तब इंटेलिजेंस ब्यूरो के चीफ को एक साल का विस्तार हुआ। हमले के एक महीने बाद ही उन्हें इनाम क्यों दिया गया? उन्हें जवाबदेह क्यों नहीं ठहराया गया?

अगर मोदी सरकार विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और जजों पर जासूसी टूल पेगासस चला सकती है, तब आतंकियों पर इसका इस्तेमाल क्यों नहीं हो रहा है?

पहलगाम हमले में शामिल 4 आतंकियों का क्या हुआ? वे मारे गए या अभी जिंदा हैं? अगर मारे गए हैं, तब मोदी सरकार ने स्पष्ट बयान क्यों नहीं दिया? और अगर नहीं मारे गए, तब चुप्पी क्यों?

टीएमसी सांसद ने लिखा कि बीते 10 साल में विदेश मामलों पर 2 लाख करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। देश की जनता पारदर्शिता, जवाबदेही और नतीजे चाहती है, न कि चुप्पी और बहाने।

बिहार की जनता से पीके की अपील, लालू, नीतीश और पीएम मोदी को देखा...अब एक मौका मुझे दें

पटना। बिहार के लोगों से बिहार विधानसभा चुनाव में राज्य में एक नए विकल्प का समर्थन करने की अपील कर जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि लोगों ने लालू यादव, पीएम मोदी और नीतीश कुमार का शासन देखा है, लेकिन अब जनता का शासन होना चाहिए। मधुबनी जिले के झंझारपुर इलाके में एक सभा को संबोधित कर पीके ने कहा कि मैं वोट नहीं मांग रहा हूं...मैंने बीते 2.5 वर्षों में पांच हजार गांवों की यात्रा की है, कई लोगों को इकट्ठा किया है और एक पार्टी जन सुराज बनाई है...आपने लालू प्रसाद, पीएम मोदी, नीतीश कुमार का शासन देखा है...अब बिहार में लोगों का शासन, जन सुराज होना चाहिए। इसके पहले प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और जनता दल (यूनाइटेड) पर निशाना साधकर कहा कि 30 साल से उन्होंने बिहार में सिर्फ गरीबी और भ्रष्टाचार फैलाया है। उन्होंने कहा कि बीते 30 सालों से वे सिर्फ सामाजिक न्याय का नारा देकर अपने परिवार और अपने बच्चों का भला करना चाहते हैं। उनके पास न कोई विजन है और न ही वे समाज के लिए कुछ करना चाहते हैं। वे सिर्फ जाति के आधार पर लोगों को बांटकर राजनीति करना चाहते हैं।

हज यात्रियों से भरे विमान के पहियों से निकली चिंगारी और धुआं, टल गया बड़ा हादसा

लखनऊ (एजेंसी)। हज यात्रियों को लेकर जेद्दा से लखनऊ पहुंचा विमान बड़े हादसे का शिकार होते होते बच गया। गनीमत रही कि विमान के पहियों से निकली चिंगारी और धुआं को देखते ही सभी चीजों को नियंत्रित कर लिया गया। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया, जब सऊदिया एयरलाइंस की फ्लाइट एसवी 3112 में लैंडिंग के दौरान तकनीकी खराबी आ गई। इस विमान में 250 हज यात्री और क्रू मेंबर्स सवार थे, जो जेद्दा से लखनऊ पहुंचा था। सभी यात्री और क्रू मेंबर्स सुरक्षित हैं, और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। सूत्रों के अनुसार, रविवार सुबह करीब 6:30 बजे सऊदिया एयरलाइंस की फ्लाइट एसवी 3112 ने लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। लैंडिंग के बाद टैक्सी वे पर जाते समय विमान के पहिए से अचानक चिंगारी और धुआं निकलने लगा। पायलट ने तुरंत स्थिति को भांपते हुए विमान को रोक दिया, जिससे एक संभावित हादसा टल गया।

एयरपोर्ट की फायर टीम को तत्काल सूचना दी गई, और करीब 20 मिनट की

मशक्कत के बाद स्थिति पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि विमान के हाइड्रोलिक सिस्टम में रिसाव (लीकेज) के कारण यह खराबी आई थी। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि अगर यह खराबी टेकऑफ के दौरान हुई होती, तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। पायलट की सूझबूझ और एयरपोर्ट की आपातकालीन टीम की त्वरित कार्रवाई ने एक बड़े हादसे को रोक दिया। विमान में सवार सभी 250 हज यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया और उनकी सुविधा के लिए एयरपोर्ट पर वैकल्पिक व्यवस्था की गई। सऊदिया एयरलाइंस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि फ्लाइट में तकनीकी खराबी की वजह से लैंडिंग के बाद यह स्थिति उत्पन्न हुई। एयरलाइंस ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। घटना के बाद विमान में सवार हज यात्रियों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल रहा। हालांकि, एयरपोर्ट प्रशासन ने तुरंत यात्रियों को शांत किया और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ में हुए विवाद के बाद दोनों हुए अलग

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ में आपसी मतभेद हो गया है। इसके चलते दोनों अलग अलग हो गए है। बताया जा रहा है कि दोनों ने अब साथ काम नहीं करने का फैसला किया है। फिलहाल, इसे लेकर पुलिस ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। ऐसे में बड़े गैंगस्टर्स को ट्रैक कर रही राज्यों की पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों की चिंता बढ़ सकती है। दोनों का नाम पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या समेत कई मामलों में आ चुका है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि दोनों गैंगस्टर्स के कई सहयोगियों से पूछताछ के बाद केंद्रीय एजेंसियों ने पाया है कि बिश्नोई और बराड़ ने साथ काम करना बंद कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि अपराध जगत में शुरुआती दिनों में लॉरेंस ने बराड़, काला राणा और अन्य लोगों के साथ मिलकर टीम तैयार की थी। उन्होंने कहा, बाद में बिश्नोई ने एक बिजनेस मॉडल बनाया जिसमें यूपी (धनंजय सिंह), पंजाब (जग्गू भगवानपुरिया), हरियाणा (काला जठेड़ी), राजस्थान (रोहित गोदारा) और दिल्ली (रोहित मोई और हाशिम बाबा) के गैंगस्टर्स शामिल थे।

दोनों गैंगस्टर्स ने साथ काम नहीं करने का फैसला किया है। गोल्डी ने अजरबैजान में बैठे रोहित गोदारा के साथ काम शुरू किया है। वहीं, बिश्नोई अब कनाडा के नोनी राणा के साथ है। यह दरार और नए सिंडिकेट अब राज्यों की पुलिस की चिंता बढ़ा रहे हैं। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इस मुद्दे पर हाल ही में पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने एनआईए के साथ बात की थी।

अमेरिका में भाई अनमोल बिश्नोई का केस संभालने को लेकर लॉरेंस, गोल्डी और गोदारा से नाराज है। सूत्रों ने कहा, केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली थी कि बराड़ और गोदारा ने जरूरी बेल बॉन्ड दाखिल करने में अनमोल की मदद नहीं की। अनमोल को बाद में रिहा कर दिया गया, लेकिन पैर में ब्रेसलेट ट्रैकर पहनाया गया है। सूत्रों ने बताया है कि पुलिस को पता चला है कि बीते कुछ महीनों से नोनी राणा अमेरिका से कॉल कर बिश्नोई के नाम पर वसूली कर रहा है। नोनी राणा हरियाणा के यमुनानगर के कुख्यात गैंगस्टर काला राणा का छोटा भाई है।

फ्लाइट्स पर लगा ग्रहण.... बीते 24 से 48 घंटे में तीन फ्लाइट वापस लौटीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 315, जो हांगकांग से दिल्ली जा रही थी, उड़ान भरने के बाद तकनीकी खराबी के बाद हांगकांग लौट आई। यह उड़ान बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान से संचालित हो रही थी।

भारत आ रहे बोइंग के दो ड्रीमलाइनर प्लेन रविवार को बीच रास्ते से टेकऑफ एयरपोर्ट पर लौट आए। इसमें से एक फ्लाइट लंदन से चेन्नई और दूसरी जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही थी। दोनों फ्लाइट की सोमवार को लैंडिंग होनी थी। ब्रिटिश एयरवेज के चेन्नई आ रहे बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर को तकनीकी खराबी के चलते लौटना पड़ा। वहीं, लुफ्थांसा एयरलाइन (जर्मनी) के बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके कारण प्लेन को लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली और लौटना पड़ा।

इधर, लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर सऊदी अरबिया एयरलाइंस की फ्लाइट एसवी-3112 की लैंडिंग के दौरान पहिए से चिंगारी और धुआं निकलने लगा। वहीं, एअर इंडिया एक्सप्रेस की दुबई से जयपुर आने वाली फ्लाइट को 5 घंटे से ज्यादा समय तक बिना एयर कंडीशनर (एसी) के बैठाए रखा गया। इन दोनों घटनाओं का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

दरअसल एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 315 के पायलट को हांगकांग से दिल्ली आते समय हवा में किसी तकनीकी गड़बड़ी का शक हुआ, जिसके बाद सुरक्षा को ध्यान में रखकर फ्लाइट को लौटाने का फैसला लिया गया। सभी यात्री सुरक्षित हैं। वहीं लंदन से चेन्नई आ रही ड्रीमलाइनर 787-8 से संचालित ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट बीए35 तकनीकी खराबी (फ्लैप फेल) के कारण डोवर के पास चक्कर लगाकर हीथ्रो लौट गई। फ्लाइट ने दोपहर 1.16 बजे टेकऑफ किया और एयरपोर्ट लौटने से पहले करीब दो घंटे तक हवा में रही। फ्लाइट एयरपोर्ट लौटने से पहले कई होल्डिंग पैटर्न में रही।

वहीं जर्मनी से हैदराबाद आ रही लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट को उड़ान के बाद वापस फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट लौटना पड़ा। यह फ्लाइट सोमवार (16 जून) सुबह हैदराबाद लैंड करने वाली थी। लुफ्थांसा एयरलाइंस ने बताया, हमें हैदराबाद में लैंडिंग की परमिशन नहीं मिली, इसलिए फ्लाइट को वापस लौटना पड़ा। वहीं हैदराबाद एयरपोर्ट के अधिकारी ने बताया कि 15 जून की शाम 6:01 बजे हैदराबाद एयरपोर्ट को एक बम धमकी भरा

ईमेल मिला। इसके बाद एयरपोर्ट पर बम थ्रेट असेसमेंट कमेटी बनाई गई और सभी सुरक्षा प्रक्रिया एसओपी के अनुसार पूरी की गई। उन्होंने बताया, यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एयरलाइंस को सलाह दी गई कि फ्लाइट को या तो वापस जर्मनी भेज दिया जाए या नजदीकी सुरक्षित एयरपोर्ट पर उतारा जाए। इसके बाद फ्लाइट को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट वापस लौटा दिया गया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717